

1

How the Camel got his hump

It So Happened...

(English to Hindi Translation)

- The world had just begun, and the animals were working for humans.
- दुनिया अभी शुरू हुई थी, और जानवर मनुष्य के लिए काम कर रहे थे।
- There was one lazy animal that did nothing, and said nothing but 'Humph'.
- एक आलसी जानवर था जिसने कुछ नहीं किया, और 'हम्फ' के सिवा कुछ नहीं कहा।
- Even the clever Djinn was at his wit's end.
- यहां तक कि चतुर डीजिन भी किंकर्तव्यविमूढ़ था।

IN the beginning, when the world was new and the Animals were just beginning to work for Man, there was a Camel, and he lived in the middle of a Howling Desert because he did not want to work. He ate sticks and thorns and prickles, and when anybody spoke to him he said "Humph!" Just "Humph!" and no more.

शुरुआत में, जब दुनिया नई थी और जानवर सिर्फ मनुष्य के लिए काम करना शुरू कर रहे थे, वहां एक ऊंट था, और वह एक गरजना वाले रेगिस्तान के बीच में रहता था क्योंकि वह काम नहीं करना चाहता था। वह लकड़ियां और कांटे और साही के कांटे खाता था, और जब कोई उससे बात करता था तो वह "हम्फ!" बस "हम्फ!" कहता था और कुछ नहीं।

Presently the Horse came to him on Monday morning, with a saddle on his back and said, "Camel, O Camel, come out and trot like the rest of us."

"Humph!" said the Camel, and the Horse went away and told the Man.

Presently the Dog came to him, with a stick in his mouth, and said, "Camel, O Camel, come and fetch and carry like the rest of us."

वर्तमान में सोमवार की सुबह घोड़ा उसके पास आया, जिसकी पीठ पर काठी थी और बोला, "ऊंट, अरे ऊंट, बाहर आओ और हम बाकी की तरह जल्दी चलो।

ऊंट ने कहा, "हम्फ!" और घोड़ा चला गया और आदमी को बताया।

वर्तमान में कुत्ता अपने मुंह में एक छड़ी लेकर उसके पास आया,, और कहा, "ऊंट, अरे ऊंट, आओ और उठाओ और हम बाकी की तरह ले कर चलो।

"Humph!" said the Camel, and the Dog went away and told the Man.

Presently the Ox came to him, with the yoke on his neck, and said, "Camel, O Camel, come and plough like the rest of us."

"Humph!" said the Camel, and the Ox went away and told the Man.

ऊंट ने कहा, "हम्फ!" और कुत्ता दूर चला गया और आदमी को बताया।

वर्तमान में बैल अपने गले पर जुए के साथ उसके पास आया, और बोला, ऊंट, अरे ऊंट, आओ और हम बाकी की तरह हल जोतो।

ऊंट ने कहा, "हम्फ!" और बैल चला गया और आदमी को बताया।

1

How the Camel got his hump

It So Happened...

(English to Hindi Translation)

At the end of the day the Man called the Horse and the Dog and the Ox together, and said, "Three, O Three, I'm very sorry for you; but that Humph-thing in the Desert can't work, or he would have been here by now, so I am going to leave him alone, and you must work double-time to make up for it."

दिन के अंत में आदमी ने घोड़े और कुत्ते और बैल को एक साथ बुलाया, और कहा, "तीनों, अरे तीनों, मैं तुम्हारे लिए बहुत दुखी हूँ; लेकिन रेगिस्तान में वह हम्फ- चीज़ काम नहीं कर सकता, अन्यथा अभी तक उसे यहां होना चाहिए था, इसलिए मैं उसे अकेला छोड़ने जा रहा हूँ, और आपको उसकी पूर्ति के लिए दोगुने समय तक काम करना चाहिए।"

That made the Three very angry, and they held a panchayat on the edge of the Desert; and the Camel came chewing cud and laughed at them. Then he said "Humph!" and went away again.

Presently there came along the Djinn who was in charge of All Deserts, rolling in a cloud of dust.

"Djinn of All Deserts," said the Horse, "is it right for anyone to be idle?"

"Certainly not," said the Djinn.

इससे तीनों काफी नाराज हो गए और उन्होंने रेगिस्तान के किनारे पर एक पंचायत का आयोजन किया; और ऊंट जुगाली करता आया और उन पर हंसा। फिर उसने कहा "हम्फ!" और फिर से चला गया।

वर्तमान में वहां धूल के बादल में लुढ़कता हुआ साथ में डीजिन आया जो सभी रेगिस्तानों का प्रभारी था।

घोड़े ने कहा, "सभी रेगिस्तानों का डीजिन, "क्या किसी के लिए आलसी होना सही है?"

डीजिन ने कहा, "निश्चित रूप से नहीं।"

"Well," said the Horse, "there's a thing in the middle of your Desert with a long neck and long legs, and he hasn't done a stroke of work since Monday morning. He won't trot."

"Whew!" said the Djinn whistling, "that's my Camel. What does he say about it?"

"He says 'Humph!', and he won't plough," said the Ox.

"Very good," said the Djinn. "I'll humph him if you will kindly wait a minute."

घोड़े ने कहा, "ठीक है," "आपके रेगिस्तान के बीच में एक लंबी गर्दन और लंबे पैरों वाली एक चीज है, और उसने सोमवार की सुबह से कुछ भी काम नहीं किया है। वह दुलकी चाल नहीं चलेगा।

डीजिन ने सीटी बजाते हुए कहा, "वाह!" "यह मेरा ऊंट है। वह इसके बारे में क्या कहता है?"

बैल ने कहा, "वह 'हम्फ!' कहता है, और वह हल नहीं चलाएगा।

डीजिन ने कहा, "बहुत अच्छा है।" "मैं उसे हम्फ करूंगा अगर तुम कृपया एक मिनट के लिए रुकोगे।

1

How the Camel got his hump

It So Happened...

(English to Hindi Translation)

II

The Djinn remonstrated with the camel, who said "Humph".

The camel's beautiful back suddenly grew a lump, which was the camel's hump.

The Djinn assured the camel his hump would always be a help, not a hindrance.

The Djinn rolled himself up in his dust-cloak, and took a walk across the Desert, and found the Camel looking at his own reflection in a pool of water.

डीजिन्न ने ऊंट के साथ प्रतिवाद किया, जिसने "हम्फ" कहा।

ऊंट की सुंदर पीठ पर अचानक एक गांठ बढ़ी, जो ऊंट का कूबड़ था।

डीजिन्न ने ऊंट को आश्वासन दिया कि उसका कूबड़ हमेशा उसका मददगार होगा, कोई बाधा नहीं।

डीजिन्न ने खुद को अपने धूल भरे लबादे में लपेट लिया, और रेगिस्तान की सैर करने लगा, और ऊंट को पानी के एक तालाब में अपने प्रतिबिंब को देखते हुए पाया।

"My friend," said the Djinn, "what's this I hear of your doing no work?"

The Djinn sat down, with his chin in his hand, while the Camel looked at his own reflection in the pool of water.

"You've given the Three extra work ever since Monday morning, all on account of your idleness," said the Djinn. And he went on thinking with his chin in his hand.

डीजिन्न ने कहा, "मेरे दोस्त," "मैं तुम्हारे बारे में यह क्या सुन रहा हूँ कि तुम कोई काम नहीं करते?"

डीजिन्न अपनी ठोड़ी को अपने हाथ पर रखकर नीचे बैठ गया, जबकि ऊंट पानी के तालाब में अपने प्रतिबिंब को देखता रहा।

डीजिन्न ने कहा, "तुम्हें तुम्हारे आलस्य के कारण सोमवार की सुबह के बाद से तीन अतिरिक्त काम दिए गए हैं। और वह अपने हाथ पर अपनी ठोड़ी को रखकर सोचता रहा।

"Humph!" said the Camel.

"I shouldn't say that again if I were you," said the Djinn; "you might say it once too often. I want you to work."

And the Camel said "Humph!" again; but no sooner had he said it than he saw his back, that he was so proud of, puffing up and puffing up into a great big hump.

ऊंट ने कहा, "हम्फ!"

डीजिन्न ने कहा, "अगर मैं तुम्हारी जगह होता तो यह दोबारा नहीं कहता; "तुम यह एक बार भी अक्सर कह सकते हो। मैं चाहता हूँ कि तुम काम करो।"

और ऊंट ने फिर से "हम्फ" कहा! ; लेकिन जैसे ही उसने यह कहा तभी उसने अपनी पीठ देखी, जिस पर उसे इतना गर्व था, ऊपर फूलता हुआ और एक विशाल बड़े कूबड़ के रूप में फूलता हुआ।

1

How the Camel got his hump

It So Happened...

(English to Hindi Translation)

"Do you see that?" said the Djinn. "That's your very own humph that you've brought upon your very own self by not working. Today is Thursday, and you've done no work since Monday, when the work began. Now you are going to work."

डीजिन्न ने कहा, "क्या तुमने वह देखा?" "यह तुम्हारा अपना ही हुमड़ा है जिसे तुम काम न करके स्वयं अपने ऊपर लाए हो। आज गुरुवार है, और जब से काम शुरू हुआ, तुमने सोमवार के बाद से कोई काम नहीं किया है। अब तुम काम करने जा रहे हो।

"How can I," said the Camel, "with this humph on my back?"

"That has a purpose," said the Djinn, "all because you missed those three days. You will be able to work now for three days without eating, because you can live on your humph; and don't you ever say I never did anything for you. Come out of the Desert and go to the Three, and behave."

ऊंट ने कहा, "मैं कैसे कर सकता हूँ," "अपनी पीठ पर इस हम्फ के साथ?"

डीजिन्न ने कहा, "इसका एक उद्देश्य है, "" यह सब इसलिए क्योंकि तुमने उन तीन दिनों को गंवा दिया। अब तुम बिना भोजन किए तीन दिनों तक काम कर सकोगे, क्योंकि तुम अपने हुमड़े के सहारे जीवित रह सकते हो; और क्या तुम कभी कहोगे कि मैंने तुम्हारे लिए कभी कुछ नहीं किया। रेगिस्तान से बाहर आओ और उन तीनों के पास जाओ, और उनसे व्यवहार करो।

And the Camel went away to join the Three. And from that day to this the Camel always wears a humph (we call it 'hump' now, not to hurt his feelings); but he has never yet caught up with the three days that he missed at the beginning of the world, and he has never yet learned how to behave.

और ऊंट उन तीनों में शामिल होने के लिए चला गया। और उस दिन से आज तक ऊंट हमेशा एक कूबड़ लेकर चलता है (उसकी भावनाओं को आहत नहीं करने के लिए हम इसे अब 'कूप' कहते हैं); लेकिन वह अभी तक उन तीन दिनों की भरपाई नहीं कर पाया है जिसे उसने दुनिया की शुरुआत में गंवा दिया था, और उसने अभी तक व्यवहार करना नहीं सीखा है।

RUDYARD KIPLING

रूडयार्ड किपलिंग

(abridged)

(संक्षिप्त)